IPS Probationers के लिए आयोजित प्रबोधन पाठ्यक्रम में संबोधन

- **भारतीय पुलिस सेवा के आप सभी युवा trainees का संसद के इस प्रबोधन कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आप सभी को इस प्रतिष्ठित सेवा के लिए चयनित होने पर हार्दिक बधाई।**

- **इस सेवा में शामिल होकर आपको जनता के जीवन, स्वतन्त्रता, संपत्ति, मानवाधिकारों और गरिमा की रक्षा करने का महत्वपूर्ण दायित्व मिला है।**

- **पुलिस सेवा हमारे देश में कानून व्यवस्था की बुनियाद है। बाहरी शत्रुओं से रक्षा करने का दायित्व सेना का है, परंतु आपका दायित्व देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।**

- **अभी आप अपनी ट्रैनिंग पूरी करके अपने अपने allotted राज्यों में जाएंगे और अपने जिलों में अपनी ड्यूटी join करेंगे।**

- **मेरी सलाह है कि जब आपका career आरंभ हो तो आप अपने उन आदर्शों को मत भूलना, जिसके कारण आपने यह परीक्षा दी थी, इस service को चुना था। आप अपने उन विचारों को हमेशा याद रखना, जिसके आधार पर आपने देश को बदलने का सोचा था। आपके वे विचार आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं।**

- आप सदैव याद रखना कि जब आप इस सेवा में नहीं थे तो आमजन के हैसियत से एक पुलिस अधिकारी और पुलिस सिस्टम से आपकी क्या अपेक्षाएं थी।

- **आप अपने कर्तव्यों के पालन के दौरान जनता के निकट सम्पर्क में रहेंगे। आपका प्रथम दायित्व होगा उनमें सुरक्षा और आत्म विश्वास की भावना पैदा करना।**

- **मेरे विचार में पुलिस सेवा सबसे कठिन सेवा भी है और सबसे चुनौतीपूर्ण सेवा भी है। देश का नागरिक किसी भी मुसीबत में हो, उसकी कोई भी तात्कालिक आवश्यकता हो, वह सबसे पहले पुलिस को याद करता है।**

- **विपदा की स्थिति में, प्राकृतिक आपदा की स्थिति में सबसे पहले हमारी पुलिस और Paramilitary के जवान ही first responder होते हैं।**

- **अभी कोविड महामारी के दौरान पुलिस अधिकारियों ने निजी ख़तरे की परवाह न करते हुए जिस प्रतिबद्धता से कार्य किया, वह पूरे देश ने देखा।**

- **जब आप पुलिस अधिकारी के रूप में काम करने लगेंगे, तो आपका दायित्व होगा कि आप अपने क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को यह भरोसा दिलाएँ कि पुलिस उनकी सेवा, सहायता और सुरक्षा के लिए हर समय तत्पर है। सम्मान के साथ सेवाभाव आपका मूलमंत्र होना चाहिए।**

- यह अत्यंत दुखद है कि स्वतंत्रता के सात दशकों के बाद भी जनता और पुलिस के बीच वह विश्वास, वह भरोसा नहीं आ सका है, जिसकी अपेक्षा थी। पुलिस अधिकारी के रूप में आपका यह दायित्व होना चाहिए कि आप इस विश्वास को जमाने के लिए कार्य करें।

- **आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपने क्षेत्र में ऐसा माहौल बनाएं कि कोई भी नागरिक अपनी तकलीफ़, अपनी समस्या आपके पास भरोसे और विश्वास से ले जाए कि उसकी बात सुनी जाएगी, उसकी समस्या का हल निकलेगा।**

- आप हमेशा यह याद रखें कि एक आम नागरिक के लिए आपका कार्य बहुत महत्वपूर्ण है। वह देश और शासन के बारे में अपनी राय आपके कार्यों से निर्धारित करता है। आपका प्रत्येक कार्य ऐसा होना चाहिए कि हमारे नागरिकों को इस महान देश का नागरिक होने में गर्व महसूस हो।

- **आज का युग तेजी से बदल रहा है। आपके कार्यक्षेत्र में साइबर सुरक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया जैसी चुनौतियाँ आ रही हैं जिसने policing को एक नया आयाम दिया है।**

- **बदलते परिप्रेक्ष्य में पुलिस अधिकारियों को अपने कार्य में नई प्रौद्योगिकियों का प्रभावी रूप से उपयोग करना चाहिए। इसके लिए आपकी भी ट्रैनिंग और कैपेसिटी बिल्डिंग होनी चाहिए और आपके मातहत अधिकारियों की भी।**

- अपने जिले में या अपने राज्य में जब आपकी पोस्टिंग हो, तो आप एक team बनाएं। आपकी सफलता इसी बात पर निर्भर करेगी कि आपकी टीम कितनी अच्छी है।

- **पुलिस अधिकारी के रूप में आपका यह भी दायित्व होगा कि आप अपने अपने क्षेत्रों में पुलिस के modernization के लिए कार्य करें।**

- **सरकार की इस क्षेत्र में प्राथमिकता है कि किस प्रकार हमारा पुलिस फोर्स आधुनिक हो ताकि 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप कार्य कर पाए। आपका इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान होगा।**

- **साथियों, आप देश की सबसे बड़ी लोकतान्त्रिक संस्था में संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धतियों के बारे में जानने आए हैं।**

- **भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और हमारा संविधान विश्व का सबसे प्रगतिशील संविधान है। संविधान ने नागरिकों को स्वतंत्रता, समता और जीवन का मौलिक अधिकार प्रदान किया है।**

- पुलिस अधिकारी के रूप में आपका दायित्व होगा कि संवैधानिक अधिकार समाज के आखिरी व्यक्ति को भी मिल पाए, इसके लिए कार्य करें।

- आपका दायित्व है कि देश का प्रत्येक नागरिक चाहे वह किसी भी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से हो, स्वयं को राष्ट्र का नागरिक समझे और इस पर गर्व महसूस करे। आपका नैतिक और वैधानिक दायित्व है कि एक जवाबदेह, पारदर्शी और जिम्मेदार शासन के निर्माण में आपका योगदान हो।

- **साथियों, कोविड दिशानिर्देशों के कारण आप संसद की कार्यवाही तो नहीं देख पाएंगे पर इस दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम में संसद के कामकाज के विभिन्न पहलुओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे।**

- **मेरा सुझाव है कि आप संसद के इतिहास और कामकाज के बारे में व्यापक जानकारी लें। आप इसका अध्ययन करें कि पिछले सात दशकों में किस प्रकार संसद की भूमिका में बदलाव आए हैं।**

- **अपने कार्य के दौरान आप जनप्रतिनिधियों से निरंतर संपर्क में रहेंगे। आप उनके द्वारा संसद में उठाए गए विषयों का अध्ययन करें। इससे आपको अनुमान होगा कि उनके लिए महत्वपूर्ण विषय क्या हैं।**

- **आप संसद ग्रंथालय जाएं और वहाँ उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन करें। हमने संसद की डिजिटल लाइब्रेरी में 1858 से अभी तक की सभी संसदीय कार्यवाहियों को, संसदीय समितियों की रिपोर्ट्स को मेटाडाटा के अंदर डाल दिया है। आप उनके माध्यम से संसद की समृद्ध विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।**

- अंत में, आप सभी को आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं। धन्यवाद।